This question paper contains 7 printed pages.]

Your Roll No. ....

599

B.A. (Programme)/ III B

(T)

SANSKRIT DISCIPLINE – Paper III

(Vyakaraṇa, Upanishad, Vastuvidya, Jyotish and Ayurved)

(Admissions of 2004/2006 and onwards in respect of Students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : (i) Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

(ii) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the Students of the Regular Colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

टिप्पणी : (i) अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

(ii) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उच्चारण स्थान लिखिए : 2

Write the places (organs) of articulation of any **three** of the following :

अ, य्, ट्, प्, ल् ।

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :

Write the letters of any **two** of the following Pratyaharas.

अक्, एच्, यण्, एङ् ।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की परिभाषा दीजिए : 2

Define any **two** of the following :

संहिता, वृद्धि, प्रगृह्य, सवर्ण, पद ।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : 3

Explain any **three** of the following Sūtras :

आदिरन्त्येन सहेता, मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, वृद्धिरेचि, हलोऽनन्तराः संयोगः, स्थानेऽन्तरतमः, यथासंख्यमनुदेशः समानाम् ।

(घ) प्रमुख सूत्रों को उद्धृत करते हुए निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सन्धि कीजिए : 6

Join Sandhis in any **three** of the following quoting important Sūtras.

पौ + अकः, लृ + आकृतिः, गङ्गा + उदकम्, श्री + ईशः, हरी + एतौ, प्र + ऋच्छति ।

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any **three** of the following Mantras : 6

(i) श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो मनो यद्वाचो ह वाचं स उ प्राणस्य प्राणः ।

चक्षुषश्चक्षुरतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लोकादमृता भवन्ति ।।

(ii) यत्प्राणेन न प्राणिति येन प्राणः प्रणीयते ।

तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते ।।

(iii) इह चेदवेहीदथ सत्यमस्ति न चेदि हावेदीन्महती विनष्टिः ।

भूतेषु-भूतेषु विचित्य धीराः प्रेत्यास्मातल्लोकादमृता भवन्ति ।।

(iv) ब्रह्म ह देवेभ्यो विजिग्ये तस्य ह ब्रह्मणो विजये देवा अमहीयन्त । त ऐक्षन्तास्माकमेवायं विजयो-ऽस्माकमेवायं महिमेति ।

(v) तस्यै तपो दमः कर्मेति प्रतिष्ठा वेदाः सर्वाङ्गानि सत्यमायतनम् ।

(ख) केनोपनिषद् के नामकरण का आधार और औचित्य प्रतिपादित कीजिए । 6

Discuss the foundation and significance of the title Kenopaniṣad.

अथवा / OR

केनोपनिषद् में चित्रित यक्ष के आविर्भाव का महत्त्व बताइये ।

Explain the importance of the appearance of यक्ष as depicted in Kenopaniṣad.

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए : $3 + 3 = 6$

Translate any **two** of the following Verses :

(i) पश्वाश्रमिणामामेतं धान्यायुधवह्निरतिगृहाणां च ।

नेच्छन्ति शास्त्रकारा हस्तरातादुच्छ्रितं परतः ।।

(ii) श्रेष्ठं नन्द्यावर्तं सर्वेषां वर्धमानसञ्ज्ञं च ।

स्वस्तिकरूचके मध्ये शेषं शुभदं नृपादीनाम् ।।

(iii) दक्षिणभुजेन हीने वास्तुनरेऽर्थज्ञयोऽङ्गनादोषाः ।

वामेऽर्थधान्यहानिः शिरसि गुणैर्हीयेत सर्वैः ।।

(iv) विप्रः स्पृष्ट्वा शीर्षं वक्षश्चक्षत्रियो विशश्चोरू ।

शुद्रः पादौ स्पृष्ट्वा कुर्याद् रेखां गृहारम्भे ।।

(ख) किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए : **4 + 4 = 8**

Write short notes on any **two** of the following :

सर्वतोभद्रवास्तु, प्रशस्तभूमि, वास्तुपुरुष, गृहारम्भ ।

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए : **6**

Translate any **two** of the following Verses :

(i) सौरं सूर्याशभोगेन तिथ्या चान्द्रदिनं स्मृतम् ।

सूर्योदयद्वयान्तःस्थं कीर्त्यते सावनं दिनम् ।।

(ii) तीर्थयात्राविवाहान्न प्राशनोपनयनादिषु ।

माङ्गल्येषु सर्वकार्येषु, घातचन्द्रं न चिन्तयेत् ।।

(iii) विनष्टस्यार्थस्य लाभोऽन्धे शीघ्रं मन्दे प्रयत्नतः ।

स्याद् दूरे श्रवणं मध्ये श्रुत्याप्ती न सुलोचने ।।

(iv) सम्मुखे चार्थलाभः स्याद् दक्षिणे सुखसम्पदः ।

पृष्ठे च शोकसन्तापो वामे चन्द्रे धनक्षयः ।।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5

Write short notes on any **two** of the following :

भद्राफल, राशिनामानि, अधिमास, पञ्चक ।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए : 6

Translate any **two** of the following Verses :

(i) मयूखैर्जगत: स्नेहं ग्रीष्मे पेपीयते रवि: ।
स्वादु शीतं द्रवं स्निग्धमन्नपानं तदा हितम् ।।

(ii) शारदानि च माल्यानि वासांसि विमलानि च ।
शरत्काले प्रशस्यन्ते प्रदोषे चेन्दुरश्मय: ।।

(iii) गोरसान् इक्षुविकृतीर्वसां तैलं नवौदनम् ।
हेमन्तेऽभ्यस्यतस्तोयमुष्णं चायुर्न हीयते ।।

(iv) उदमन्थं दिवास्वप्नम् अवश्यायं नदीजलम् ।
व्यायाममातपं चैव व्यवायं चात्र वर्जयेत् ।।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 9

Write short notes on any **three** of the following :

हंसोदक, अभ्यङ्ग, पञ्चकर्म, षड् ऋतव: आदानकाल, ऋतुसात्म्य

अथवा / OR

वसन्त ऋतु में पथ्यापथ्य

Wholesome and unwholesome diet in Vasant.

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10

Write short notes on any **three** of the following :

नावनीतक, वाग्मट, सुश्रुतसंहिता, चरकसंहिता, भावप्रकाश ।

अथवा / OR

आयुर्वेद के उद्भव एवं विकास पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि भारतवर्ष से बाहर इस का प्रचार कहाँ और कैसे हुआ ?

Write a short essay on the origin and development of आयुर्वेद along with throwing light on its popularity out of India and how ?